PUBLICATION NAME :	**LN Star, 24 Feb 2023**
EDITION :	**Bhopal**
DATE :	**24/02/2023**
PAGE :	**08**

ईडीआईआई ने उद्यमिता पर 15वें द्विवार्षिक सम्मेलन का किया आयोजन

आज पूरे देश में पर्यावरण उद्यमिता के लिए अनुकूल : रामचंद्रन

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया–ईडीआईआई) का पंद्रहवां द्विवार्षिक सम्मेलन संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता विषय को लेकर 24 फरवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और चिकित्सकों को उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययनों और निष्कर्षों को साझा करने के लिए एक मंच दिया जाएगा। सम्मेलन के दौरान, सोशल, हरित, महिला, कृषि, डिजिटल, एमएसएमई और समावेशी उद्यमिता जैसे विषयों पर 10 से अधिक देशों के स्कॉलर द्वारा 125 से अधिक पेपर और अध्ययन प्रस्तुत किए जाएंगे।

सम्मेलन का उद्घाटन इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में एंटरप्रेन्योरशिप के प्रोफेसर (प्रैक्टिस) डॉ कविल रामचंद्रन ने कुमासी तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉ गेब्रियल इवोमोह; डॉ अजीत के मोहंती, एमेरिटस फेलो, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; डॉ रामकृष्ण वेलामुरी, डीन और उद्यमिता के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिंद्रा यूनिवर्सिटी, हैदराबाद; और डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई की मौजूदगी में किया। डॉ कविल रामचंद्रन ने कहा, उद्यमिता या एंटरप्रेन्योरशिप आज अनुसंधान और नीति-निर्माण के मूल में है। यह एक वैश्विक चलन बन गया है। आज पूरे देश में पर्यावरण उद्यमिता के लिए अनुकूल है। किसी व्यवसाय की सफलता उपलब्ध संसाधनों पर

निर्भर करती है, जिसमें व्यवसाय में शामिल मालिकों और अन्य लोगों की क्षमता और योग्यता भी शामिल होती है। फैमिली बिजनेस एक ऐसा क्षेत्र है, जहां मेरा मानना है कि पीढ़ियों के बीच सुगमता सुनिश्चित करने के लिए गतिशीलता पर और अधिक शोध करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ सुनील शुक्ला ने कहा, दो साल में एक बार होने वाला यह सम्मेलन उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों में विचारों और मूल्यवान प्रतिक्रिया का आदान-प्रदान करने के लिए दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए एक मंच बना हुआ है। उद्यमिता अनुसंधान समाधानों की पहचान करने और नए अवसरों और नवाचारों का पीछा करने के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए शोध निष्कर्ष और दस्तावेजीकरण नए दृष्टिकोण और उभरती प्रवृत्तियों को सामने लाते हैं। प्रो. (डॉ.) गेब्रियल इवोमोह, प्रो-वाइस चांसलर, कुमासी टेक्निकल यूनिवर्सिटी, घाना ने कहा, एंटरप्रेन्योरशिप और एंटरप्राइज डेवलपमेंट को घाना में बहुत महत्व के साथ देखा जाता है। ऐसे समय में जब घाना में औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में नौकरी पाना मुश्किल है, हम नौकरी देने वालों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। (डॉ.) अजीत के. मोहंती, एमेरिटस फेलो, उत्कल विश्वविद्यालय और पूर्व प्रोफेसर, आईसीएसएसआर नेशनल फेलो मुख्य सलाहकार, एनएमआरसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कहा सामाजिक विकास और उद्यमिता की प्रक्रिया समाज के ज्ञान की ओर झुकाव को बढ़ाती है। ऐसे समाज में, विकास की प्रक्रिया एक सहयोगात्मक और सहकारी प्रक्रिया की ओर अधिक झुकी होगी, जिसमें कम विकसित राष्ट्रों की भलाई को भी शामिल करने पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रोफेसर (डॉ.) रामकृष्ण वेलामुरी, डीन और एंटरप्रेन्योरशिप के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिंद्रा यूनिवर्सिटी, हैदराबाद ने कहा, उद्यमी एक सामाजिक संदर्भ में उभरते हैं और खिलते हैं, इसलिए जब हम चाहते हैं कि उद्यमिता भारत में खिले, तो इस पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। माता-पिता, शिक्षकों, बैंकरों, नीति निर्माताओं और अन्य समान हितधारकों को निर्णय लेने के स्तर पर शिक्षित करने पर ताकि विभिन्न लाभार्थियों को रचनात्मक होने और उद्यमियों के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।